भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1260

गुरूवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश में पर्यटन का विकास

1260 श्री प्रमोद तिवारी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पर्यटन का विकास करने के लिए मिशन मोड की परिकल्पना की है;

(ख) यदि हां, तो इसके लिए क्या कार्यनीतिक रोडमैप तैयार किया गया है; और

(ग) विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए क्या देश-विशिष्ट कार्यनीतियां बनाई गई हैं और नए पर्यटन स्थलों की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन क्षेत्र में अवसंरचना, उत्पाद और अनुभव, कौशल निर्माण तथा कनेक्टिविटी के विकास हेतु संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों और अन्य हितधारकों के साथ तालमेल और सहयोग से मिशन मोड में पर्यटन के विकास की परिकल्पना की है। इस संबंध में शुरू किए गए कार्यक्रमों/पहलों का विवरण इस प्रकार है:-

(i) गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया गया। मंत्रालय ने 32 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 57 गंतव्यों का चयन किया है और एसडी 2.0 योजना के अंतर्गत 644.00 करोड़ रु. की राशि से 29 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।

(ii) पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने और पर्यटक स्थलों को स्थायी तथा जिम्मेदार गंतव्यों के रूप में बदलने के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना के रूप में ''चुनौती आधारित गंतव्य विकास'' के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए गए। उपरोक्त योजना के अंतर्गत विकास हेतु 4 श्रेणियों यथा (i) आध्यात्मिक

पर्यटन, (ii) संस्कृति एवं विरासत, (iii) वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम, (iv) ईको पर्यटन तथा अमृत धरोहर स्थलों में 42 गंतव्यों का चयन किया गया है।

(iii) देश में चिह्नित तीर्थ स्थलों में पर्यटन अवसंरचना और पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए तीर्थस्थान जीर्णोद्धार तथा आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) योजना की शुरूआत की गई।

(iv) अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम की शुरूआत की गई जो विभिन्न डिजिटल उपकरणों से एक्सेस किया जा सकने वाला अखिल भारतीय ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य देशभर के पर्यटक स्थलों में स्थानीय और प्रशिक्षित पेशेवरों का एक पूल उपलब्ध कराकर पर्यटकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाना है।

(v) पर्यटन मंत्रालय ने महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों तक बेहतर हवाई कनेक्टिविटी मुहैया कराने के लिए अनेक पर्यटन रुटों को शामिल करने हेतु नागर विमानन मंत्रालय से सम्पर्क किया था। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस- उड़ान) के अंतर्गत 53 पर्यटन रुटों पर प्रचालन शुरू किया गया।

(ग): पर्यटन मंत्रालय देश के भीतर तथा विदेशी बाजारों में देश के पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। एकीकृत मार्केटिंग और संवर्धनात्मक कार्यनीति तथा यात्रा व्यापार जगत, राज्य सरकारों और भारतीय मिशनों के सहयोग से एक समन्वित अभियान के माध्यम से इन उद्देश्यों की पूर्ति की जाती है।

मंत्रालय की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए भी संवर्धन कार्य किया जाता है। मंत्रालय द्वारा तैयार की गई विभिन्न संवर्धनात्मक सामग्रियों के माध्यम से भी देश के पर्यटक स्थलों का प्रचार किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए प्रमुख और सम्भावित विदेशी बाजारों में आयोजित यात्रा मेलों/प्रदर्शनियों में भी भाग लेता है।

****